NT>

Title: Need to check frequent crashes of MIG-21.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, मिग-21 विमानों की दुर्घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही है। समाचार पत्रों में तरह-तरह के समाचार आ रहे हैं। पिछले पांच वर्षों के अंदर 53 मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं, 30 पायलटों की मृत्यु हुई है, 16 नागरिकों की जानें गई हैं, काफी जानमाल का भी नुक्सान हुआ है और 1 अरब 40 करोड़ रुपए का नुक्सान हुआ है। 1998-99 में दस मिग-21, 1999-2000 में 13 मिग-21, 2000-01 में 12 मिग-21, 2001-02 में सात मिग-21 और चालू वित्त वर्ष में 11 मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं, जो कि चिंतनीय विषय है। सरकार देश में जगह-जगह होने वाली इन दुर्घटनाओं को रोकने पर विचार करे और ए.जे.टी. विमान, जो भारतीय वायु सेना को मिलने हैं, उनका सौदा शीघ्र फाइनल करे। इस समय विमानों और पायलटों की विश्वसीनयता पर भी असर पड़ रहा है और इंजनों के फेल होने से दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण लोग बड़े चिंतित हैं। इसलिए सरकार इसकी अविलम्ब जांच करे और इसकी रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत करे।

MR. DEPUTY SPEAKER: Shri Maheshwar Singh, you want to associate with him.

श्री महेश्वर सिंह (मंडी) : उपाध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने महत्वपूर्ण विषय उठाया है, मैं उससे अपने आप को सम्बद्ध करते हुए एक बात माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि हाल ही में 14 नवम्बर को बागडोगरा से उड़ान भरने के उपरांत आधे घंटे में ही MIG-21 दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें 39 वर्षीय हिमाचल का एकमात्र प्रथम पायलट देश ने खो दिया। इस प्रकार की दुर्घटना में जहां राष्ट्र को करोड़ों की सम्पत्ति खोनी पड़ती है, वहां यह जानना आवश्यक है कि वे कौन से कारण हैं जिनके कारण इस तरह की दुर्घटनाएं हो रही हैं? चूंकि जो जानकारी आई है, वह यह है अधिकांश MIG-21 अपनी आयु पूरी कर चुके हैं और घटिया उपकरण उनमें लगे हुए हैं, इसलिए इस मामले की जांच होनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान)